











## सम्पादकीय

## सांसदों का 'रक्तचत्र'

संसद भवन के 'मकर द्वार' पर सांसदों में जिस तरह धक्का-मुक्की हुई और भाजपा के दो सांसदों को चैटिल होकर अस्पताल के आईसीयू तक जाना पड़ा, बेशक वह उच्छृंखल, स्वच्छ, अशालीन, अव्याहृत आचरण है। सामान्य शब्दों में कहा जा सकता है कि संसद परिसर 'अखाड़ा' बन गया है अब वह सांसद भी गायी है और संसद की गिरामा तार-तार बढ़ी की जा रही है? 75 साल के संसदीय इतिहास में यह पहली बार है कि अंतिमा 70 वर्षीय संताप प्रताप सारंगी लहूतून हुए। अस्पताल में उड़े कुछ टाके लगाने पड़े हैं। इसी तरह फर्स्टचार्ड (उप्र) के भाजपा सांसद मुकेश राजपूत भी धराशायी होकर बेहोश हो गए। प्रश्नानंतरी मारी ने जब उनसे फोन पर बात की, तब भी वह स्थिर नहीं थे। कागिरा का आपेक्षा है कि भाजपा सांसदों ने राजसभा में नेता प्रतिवक्ष एवं कागिरा अध्येता 84 वर्षीय अंतिम खड़े को धक्का मारा, जिससे वह जीपीन पर गिर पड़े। यदि ऐसा हुआ है, तो उन्हें अस्पताल तक बढ़ने वाली ही पहुंचना चाहा गया? भाजपा सांसदों के मुताबिक, गहल गांधी ने उड़े बड़े धक्के मारा हो अथवा धक्का अचानक लगा हो यह धक्का समूहिक, पूर्व नियोजित प्रयास हो, लेकिन संसद कलंकित हुई है। सांसदों का 'रक्तचत्र' स्पष्ट हो गया है। लोकतंत्र के सबसे बड़े, पावन मर्दिन को दूरवित किया गया है। अब यह सोचना या दावा करना 'मजाक' होगा कि भाजपा के लोकतंत्र का इंतिहास 2000 साल पुराना है। हमरे सांसद तो 75 साल में ही बिलकुआ हो गए हैं।

यकीनन यह किसी भी क्रिया का लोकतंत्र नहीं है, बेशक सभी सांसद औसतन 15-20 लाख महिलाओं द्वारा चुने गए हैं। संवाल है कि संसद के प्रवेश द्वार पर सांसदों की धक्का-मुक्की की नौबत बढ़ी आई? 'मकर द्वार' पर विरोध-प्रदर्शन किए जाते हैं, तो सांसदों के प्रवेश के लिए दूसरा गरता तय कर दिया जाता है। फिर लोकसभा में नेता प्रतिवक्ष राहल गांधी ने प्ररिशन कर रहे भाजपा सांसदों की धक्का-मुक्की को चौतरे हुए संसद में प्रवेश करने की जिद बढ़ी की एक महिला राजसभा सांसद पर राहल बढ़ने चाहिए? राजसभा के सभापति एवं देश के उपराष्ट्रीत जगदीप राहल ने यहां तक कहा है कि महिला सांसद उनके चैबर में आई। वह बेहद प्रेशन और भयोंतरी लगा थीं और उन्होंने बदलसूखी की शिक्षण करते हुए आमसम्मानों को ऐसे पहुंचने तक की बात की है। बेशक मामले की गोपनीय द्वारा चुने गए हैं। भाजपा ने दूसरी बार तक बढ़ी अप्राधिकी दर्ज की है, लेकिन हल्ला के प्रवेश के लिए दूसरा गरता तय कर दिया गया है। धारा 117 को छोड़ कर शेष सभी धाराएँ जमानती हैं। दूसरी तरफ राहल गांधी और कागिरा नेताओं की शिक्षण यह है कि भाजपा सांसदों ने धक्के मारे। उनके हाथों में ढूँढ़ थे। अमरावती भाषा का व्यवहार भी किया गया। कागिरा ने भी पुरुषों में शिक्षण दर्ज किया है, लेकिन उनका प्राथमिकी की कोई सुधार नहीं है। बहलाल जांच से ही नियमांश समेत आगांग की है? वाकई किसने दिया? चैटिल सांसदों के प्रति सहानुभूति जाता है ताकि वह सांसदों का 'रक्तचत्र' स्पष्ट हो गया है। हमारे संसदकार और संवाल यह है कि हम इसके लिए एसेंस और अधिक तरह तक यह किया गया है। अब यह सोचना या दावा करना 'मजाक' होगा कि भाजपा के लोकतंत्र का इंतिहास 2000 साल पुराना है। हमरे सांसद तो 75 साल में ही बिलकुआ हो गए हैं।



ललित गर्ग

## गोपनीयता पर मंथन आवश्यक

हिंदुस्तान की आबादी की प्रगति कर सकता है। आधार कार्ड के 141कोडे जनसंख्या में से 120 कोरेड जनसंख्यक के पास आधार कार्ड के संवादों को टेक कर राजनीति का धूपनुमान लगाना सत्ता पक्ष की मंशा हो सकती है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और अवधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी हैं और आधार कार्ड की पैन कोडों को लेकर तक जानी की धूपनुमान लगाने के लिए आधार के संवादों के लिए आधार कार्ड की धूपनुमान लगाने के लिए एवं मोबाइल सिम के पहुंच चुकी है। ये अंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्षयर या संरहें पैदा करते हैं कि इसका कहीं दुरुपयोग होकर कहीं नहीं किया जा सकता है। इससे सरकार के जीवन में हल्कापन तो नहीं किया जा सकता है। पर इसके कार्ड फायदे भी ह





## घरेलू नुस्खे

## प्याज काटने और धनिया सूखने से बचाने के काम आएंगे ये हैक्स, बहुत काम आएंगी अमेजिंग ट्रिक्स

कभी-कभी रसोई में काम इतना बढ़ जाता है कि हमें अपने लिए समय नहीं मिलता। इसी चक्र में छोटी-मोटी चीजों को लेकर समस्या होती रहती है। जैसे किचन में प्याज काटना मुश्किल तास्त लगता है। कभी खाने में नमक की जाता है, तो कभी धनिया और पुणी जैसे हब्स भी जल्दी खाना हो जाते हैं। हालांकि कई बार यह छोटे-छोटे काम परेशानी भरे लाते हैं। ऐसे में आप स्मार्ट किचन टिप्स की मदद से अपनी रसोई में सुधार कर सकते हैं। साथ ही इससे काम भी जल्दी निपटा जाएगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के लिए हम आपको किचन में काम करने के अमेजिंग ट्रिक्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

## अपनाएं ये तरीका

जब भी हम प्याज काटते हैं, तो आंखों से असू आने लगते हैं। क्योंकि प्याज में सफ्टर अच्छी मात्रा में पाशा जाता है। ऐसे में जब सेल्स

टूटते हैं तो सोल्फर रिलाइ होता है। इसलिए प्याज काटने से पहले चाकू को तेज आंच में गर्म कर लें। इस तरह से जब आप प्याज काटेंगे तो आपके आसू नहीं निकलेंगे। साथ ही इससे स्टोरेजिंग या चॉपिंग करना भी आसान हो जाएगा। वहीं दूसरा तरीका यह है कि आप प्याज की जालेने के बाद इसको 20-25 मिनट के लिए डीप फ्रिज में रख दें। क्योंकि फ्रिजर का ठंडा तापमान प्याज को अंदर से भी ठंडा कर देता है।

## पॉपकार्न जल्दी काटने का ट्रिक

आपने भी देखा होगा कि पॉपकार्न कई बार पसफी नहीं होते हैं। वहीं कर्नपीसी भी इन्हें खाने में आप जल्दी समझ लगता है। ऐसे में आप प्याज काटने के लिए ड्रिफ्ट का अपना सकते हैं। सबसे पहले मव्वके के दाने को नमक पानी में 10-15 मिनट के लिए सोक रखें। फिर पैर में मखन और मसाले डालकर ढक़ दें। इससे दाने जल्दी पांप होंगे और पसली भी



बनें।

## सूजी से बनाएं कुकुरा स्वैक्स

जब तक स्वैक्स कुकुरों और किसी न हो, तब तक इन्हें खाने में मजा नहीं आता है। ऐसे में आप किसी के बैटर में शेषी मात्रा में सूजी मिलाएं। इस तरह से यह हर तरह के स्वैक्स को शानदार क्रंच देता है। इसे तलने से पहले केंकटल या फिर टिक्की जैसी चीजों को सूजी में रोल करें। सूजी सुखाना और कुकुरा

## क्रस्ट बनाना है। जो स्वैक्स के स्वाद

को दोगुना कर देता है।

## करी से एक्सेस नमक हटाना

करी से नमक हटाने के लिए एक छिला हुआ कच्चा आलू डालें और फिर टिक्स के बैटर में शेषी मात्रा में इसको 10-15 मिनट तक पकने दें। आलू एक्सेस नमक सोख लेता है, जिससे स्वाद बैलेस हो जाता है। करी से एक्सेस नमक हटाने के लिए आटे की छोटी बॉल्स बनाकर इसको सूजी या ग्रेवी में पका लें। इससे भी

## नमक हो सकता है।

अगर सब्जी या ग्रेवी में नमक ज्यादा लग रहा है और यह ठंडी भी है, तो आप करी को तेज आंच पर रख रख कर लें। अब इस करी को ढंडी का इस्तेमाल करें। तेल को घी करें और उसमें कच्चे आलू का मोटा टुकड़ा डाल दें। आलू तेल से तेज गंभीर और जले हुए स्वाद को सोखा लेता है। आलू सुखाहा होने पर निकाल ले। फिर तेल को छान लें।

## धनिया स्टोर करने के टिप्प

धनिया को स्टोर करने के लिए इसको साफ करके एक पत्ती में स्टोर करें। आपकी जानकारी जल्दी काटने का है।

से धनिया को लेपेंट और फिर इसी डाइटल से उसको पैक करें। इस दौरान ध्यान रखें कि पत्ती गोली न हो और न उसमें नमी जाने दें। दूसरा तरीका यह है कि आप धनिया को एक एयरटाइट कटनाम में डालें और ऊपर से अड़े के छिलके डाल दें। अड़े का छिलका एक्सेस नमी सोखा लेगा और धनिया खाब नहीं होगी।

## खाना काटने वाला तेल रखें साफ

तेल को हल्का गर्म करें और फिर उसमें मुखी भर कच्चे चावल डालें।

## प्याज काटने और धनिया सूखने से बचाने के काम आएंगे ये हैक्स, बहुत काम आएंगी अमेजिंग ट्रिक्स



हम सभी अपने फेस की हर छोटी समस्या के लिए अलग-अलग ब्लूट्री प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। इन प्रोडक्ट की बजह से त्वचा पर एक्सिट की संभावना ज्यादा बढ़ जाती है। वहीं फेस पर एक्जिंग साइन, एक्सेस, डलेस, फाइन लाइन्स और ड्राइनेस जैसी समस्याओं से ज्यादा बढ़ जाती है। लेकिन अगर हम आपको कहें कि सिफ 50 रुपए के एक प्रोडक्ट की सहायता से आप इसी तरीके से एक ब्लूट्री का छान लें।

**गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका**

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका

गिलसरीन-2 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच नींबू का रस-1 चम्पच ऐसे करें अलाइंड।

गिलसरीन से ब्लैच बनाने का तरीका











# हर महिला में है सफलता की नई कहानी लिखने का सामर्थ्य : सीएम

अवधनमा ब्लूग

गोरखपुर/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने कहा कि हर महिला में सफलता की नई कहानी लिखने का सामर्थ्य है। महिलाओं के लिए काम की भी कोई कमी नहीं है।

जहरत एक फौलड का चयन कर उसके अनुरूप प्रशंशण लेकर खुद को तैयार करने और परिश्रम व पूरी तम्यता से बढ़ने की है।

सीएम योगी शनिवार को योगिराज बाबा गंगेश्वरनाथ प्रेषांगृह में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) द्वारा संचालित श्री बाबा गोरखनाथ कृष्ण दुध उत्पादक संस्था और इस संस्था द्वारा गोरखपुर मंडल के अंतर्गत सत दुध अवशीष्ट कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उक्त वार्षिक कार्य करने वाली विद्युत सखियों, बीसी सखियों, लखपति दीदियों, नमो डोन दीदियों और बैंक सखियों को मुख्यमंत्री के हाथों मिल प्रमाण पत्र

- अधी आबादी की उपेक्षा करके सशक्त और समर्थ नहीं हो सकता समाज :
- उक्त कार्य करने वाली विद्युत सखियों, बीसी सखियों, लखपति दीदियों, नमो डोन दीदियों और बैंक सखियों को मुख्यमंत्री के हाथों मिल प्रमाण पत्र
- मुख्यमंत्री ने किया 7405 महिला स्वर्त सहायता समूहों को 242.30 करोड रुपये की सहायता राशि का हस्तांतरण



## पीएम मोदी की प्रेरणा से शुरू हुआ नारी सशक्तिकरण का नया दौर

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दोनों मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में मिलिया सुखा, समाज और स्वावलंबन याची नारी सशक्तिकरण का नया दौर शुरू हुआ है। वेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना हो, नारी वंदन, या फिर प्रदेश में मुख्यमंत्री कल्याण सुमंगल योजना व मारु वंदना योजना, ये सभी माहिला सशक्तिकरण के लिए ही हैं। घण्टी बार स्वतंत्र भारत में मिलियाओं को यह अनुभव हुआ कि उनके नाम पर योजनाएं बनी हैं और विद्युत साधन लाभ भी उन्हें प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर घर बवे शौचालय नारी जिमिन के प्रतीक हैं तो मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन तो सफलता के साथ सरहना भी मिलेगी। इसलिए सही दिशा में बढ़े

कि आधी आबादी की उपेक्षा करके कोई भी समाज सशक्त और समर्थ नहीं हो सकता है। इस और समाज के विद्युत सखियों, बीसी सखियों, लखपति दीदियों, नमो डोन दीदियों और बैंक सखियों को प्रमाण पत्र वितरित करें। उन्होंने बताया कि इसके पहले प्रदेश के 60 लाख परिवारों को घरेली प्रमाण पत्र दिया जा चुका है।

बलिनी की तर्ज पर सफलता हासिल कर सकती है श्री बाबा गोरखनाथ कृष्ण दुध उत्पादक कम्पनी

## 27 दिसंबर को 40 लाख परिवारों को घरेली का वितरण करेंगे प्रधानमंत्री

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने बताया कि आगमी 27 दिसंबर को प्रधानमंत्री ने दोनों मोदी उत्तर प्रदेश के 40 लाख परिवारों को पीएम स्वामित्व योजना के तहत घरेली प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके पहले प्रदेश के 60 लाख परिवारों को घरेली प्रमाण पत्र दिया जा चुका है।

बलिनी की तर्ज पर सफलता हासिल कर सकती है श्री बाबा गोरखनाथ कृष्ण दुध उत्पादक कम्पनी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आज लोकप्रिय श्री बाबा गोरखनाथ दुध उत्पादक संस्था से जुड़ी माहिलाओं को आगे बढ़ने के लिए आसान तरीके प्रेरित किया। सीएम योगी ने इसके लिए बुद्धिमत्त की बलिनी मिलक प्रॉड्यूसर कम्पनी को योग्य प्रतिवर्द्धन दिया। उन्होंने कहा कि 2019 में बुद्धिमत्त जैसे सुखे क्षेत्र में बलिनी मिलक प्रॉड्यूसर कम्पनी को सिर्फ पांच महिलाओं ने शुरू किया था। आज इसके 71 हजार शेराहोल्डर हैं और इसके जरिये प्रतिवर्द्धन 2.5 लाख लीटर दूध का कनेक्शन होता है। इस कम्पनी के 1200 करोड़ रुपये का टर्नओवर करके 24 करोड़ रुपये का प्रॉड्यूसर कम्पनी ने बुद्धिमत्त की बलिनी मिलक प्रॉड्यूसर कम्पनी को योग्य प्रतिवर्द्धन 3 लाख लीटर दूध के कनेक्शन का होगा। मुख्यमंत्री ने बलिनी को घरेली प्रमाण पत्र दिया। आज इसके 71 हजार लीटर दूध का कनेक्शन हो रहा है। महिलाएं को बुद्धिमत्त करने के लिए बुद्धिमत्त कम्पनी ने बुद्धिमत्त कम्पनी को योग्य प्रतिवर्द्धन दिया। उन्होंने कहा कि श्री बाबा गोरखनाथ योजना के तहत हर घर महिलाओं ने जुड़ी महिलाओं की बलिनी का दौरा कराकर प्रशिक्षण दिलाया जाए।

और कभी असफलता मिले तो उसकी विकल्प नहीं होता है। सही दिशा में समीक्षा कर कमियों को दूर करें। याद किए गए परिश्रम से ही सफलतम रखना होगा कि परिश्रम का कोई

विकल्प नहीं होता है। सही दिशा में कहनियां लिखी जाती हैं।

## संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में भाग लेने पर मौलाना रजा हुसैन रिजावी का स्पष्टीकरण

अवधनमा ब्लूग



मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में भाग लेने पर अपना विद्युत प्रशंशकरण करते हुए कहा कि मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने बहुकाल संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।

मौलाना रजा हुसैन रिजावी ने एक संयुक्त संसदीय समिति के समझ अन्य प्रतिभागियों के साथ अपना पक्ष रखा था। जिसके बाद कुछ अवधिकारों ने उनके बयान को बिल के प्रति समर्थन दिया।